दृष्टि The Vision

3 SEP 2019

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 6)

DTVF/19 (N-M)–M–**GS16**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: BHOOR SINGH

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKE-19/F024

Center & Date: M.N. 02/09/2019

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 3811578

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **चौदह** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **FOURTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8 (a)	
3		8 (b)	
4 (a)		9	
4 (b)		10	
5		11	
6 (a)		12	
6 (b)		13	
		14	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता का गठन करने वाले विभिन्न घटक कौन-से हैं? यह एक लोकसेवक को अपने कर्त्तव्यों के निष्पादन में कैसे सहायता प्रदान करती है? (150 शब्द)

What are the various elements that make up emotional intelligence? How does it help a civil servant in the performance of his duties? (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य भावनाओं एवं बुनियादी मूल्यों की तार्किकता के मध्य सामंजस्य स्थापित कर जन कल्याणकारी कार्य करना। अर्थात भावनात्मक पक्ष एवं तार्किक पक्ष के मध्य उचित सामंजस्य स्थापित करना।

भावनात्मक बुद्धिमता के गठन हेतु प्रमुख तत्व निम्न —

- भावनात्मक समझ करके सकारात्मक एवं नकारात्मक भावनाओं की पहचान करना।
- स्वजागरूकता अर्थात अपनी भावनाओं का आकलन करना.
- बुद्धि एवं विवेक से कार्य करते समय सकारात्मक भावनाओं का समन्वय करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक लोकसेवक जब अपने कार्यों का संचालन करता है तो उसके समक्ष अपने बुनियादी मूल्यों तथा दया, करुणा, सहानुभूति जैसे भावनाओं के मध्य द्वन्द की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तो ऐसी स्थिति मे भावनात्मक बुद्धिमता ही लोकसेवक को उचित निर्णय के लिये प्रेरित करती हैं।

उदाहरण हेतु गरीबी उन्मूलन हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रम का क्रियान्वयन एक लोकसेवक गरीबों के प्रति सहानुभूति, दया एवं करुणा के साथ-साथ सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता वस्तुनिष्ठा, ईमानदारी जैसे बुनियादी मूल्यों का भी ध्यान रखेगा।

अतः यह लोकसेवक को पूर्णतया तार्किकता एवं पूर्ण भावनात्मकता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने मे सहायता करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) पर्यावरणीय नैतिकता क्या है? पर्यावरणीय नैतिकता में शामिल विभिन्न मुद्दे कौन-से हैं?

(150 शब्द)

What is environmental ethics? What are the various issues involved in environmental ethics?

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~पर्यावरणीय~~ नैतिकता : प्रकृति के जीव-जन्तु, पेड़-पौधों के प्रति मानवीय मूल्यों का समुच्य पर्यावरणीय नैतिकता कहलाती है। इसमें ~~पर्यावरणीय~~ पर्यावरण के प्रति कर्तव्य, उसका संरक्षण करना तथा इसकी ~~सतत~~ निरन्तरता बनाये रखना प्रमुख है।

मानव द्वारा पर्यावरण का संरक्षण, उसका विस्तार तथा पाये जाने वाले समस्त जीवों के प्रति दया एवं करुणा पर्यावरणीय नैतिकता कहलाती है।

पर्यावरणीय नैतिकता में शामिल प्रमुख मुद्दे निम्न है—

- विकास एवं पर्यावरण के सामंजस्य स्थापित करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पर्यावरण को नजरअंदाज नहीं करना
- प्रत्येक मानवीय विकास की गतिविधि के कारण पर्यावरण को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति हेतु और अधिक वृक्षारोपण करना।
- प्रकृति की प्रत्येक चीज चाहे जल, वायु, नदी, संसाधनों का प्रयोग समानतापूर्वक सभी के लिए करना
- मानव के हित तथा पर्यावरणीय हितों के मध्य पर्यावरणीय हितों को शामिल करना।

इस प्रकार पर्यावरणीय नैतिकता मुख्यतः सतत विकास की अवधारणा के अनुसार है जिसके मानव अपनी वर्तमान आवश्यकताओं की प्राप्ति करते समय भविष्य की पीढ़ी के लिए भी संसाधनों को बनाये रखे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) सामाजिक दायित्व/जवाबदेहिता क्या है? यह दायित्व/जवाबदेहिता की पारंपरिक कार्यविधियों से किस प्रकार भिन्न है? (150 शब्द)

What is social accountability? How is it different from traditional mechanisms of accountability? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) एकाधिकार तथा कार्य स्वाधीनता से भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति में वृद्धि होती है, जबकि प्रतिस्पर्द्धा तथा पारदर्शिता से भ्रष्टाचार में कमी आती है। उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये। (150 शब्द)

Monopoly and discretion increase the propensity to corruption while competition and transparency reduce corruption. Explain with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भ्रष्टाचार एक ऐसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है जिसमे एक व्यक्ति अपने हित तथा सार्वजनिक हितो के मध्य द्वन्द उत्पन्न होने पर वह सदा व्यक्तिगत हितो का चुनाव करता है।

एकाधिकार एवं कार्य स्वाधीनता से भ्रष्टाचार मे वृद्धि होती है इसके प्रमुख तत्व निम्न है–

- कार्य मे स्वाधीनता की स्थिति में व्यक्ति में यदि सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यो का अभाव होने पर वह भ्रष्टाचारी प्रवृति को बढ़ावा देगा
- एकाधिकार के कारण उस पर नियंत्रण रखना आसान नही होता है इसलिए उसका शक्तियो का दुरुपयोग की संभावनाऐ बढ़ती है
- इससे व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितो को बढ़ावा देगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रतिस्पर्धा तथा पारदर्शिता से भ्रष्टाचार को सीमित किया जा सकता है जिसके पक्ष में निम्न तर्क -

- पारदर्शिता से जवाबदेहिता एवं जिम्मेदारी बढ़ेगी जिससे भ्रष्टाचार में कमी होगी
- प्रतिस्पर्धा की स्थिति में किसी व्यक्ति पर नियंत्रण लगाना आसान होता है।
- पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा से किसी व्यक्ति के नकारात्मक व्यवहार को रोकना आसान होगा।

अतः यद्यपि भ्रष्टाचार किसी व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है इसलिए इसको व्यक्ति विशेष के व्यवहार को बदलकर ही नियंत्रित किया जा सकता है परन्तु सीमित स्तर पर पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा इसको सीमित कर सकती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. लोकसेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये: (150 शब्द)

Examine the relevance of the following in the context of civil service: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) शुचिता

Probity

शुचिता व्यक्ति के व्यक्तित्त्व का वह आयाम है जिसके अंतर्गत व्यक्ति ~~अपने~~ किसी भी परिस्थिति में अपने जनकल्याणकारी मूल्यों पर टिका रहता है। यह सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है। इसमें समयबद्धता, दक्षता एवं मितव्ययता को भी शामिल किया जाता है।

(b) निष्पक्षता

Neutrality

निष्पक्षता किसी निर्णय निर्माण की एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक लोकसेवक बिना किसी राग, द्वेष, लाभ, हानि को ध्यान दिये योग्यता एवं क्षमता के अनुसार संवैधानिक नियमों का अनुसरण करते हुए निर्णय देता है। इसमें नीतियों में, राजनैतिक एवं जनता के प्रति निष्पक्षता आवश्यक होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) अनुक्रियता

Responsiveness

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक लोकसेवक को अपने पद पर रहते हुए सदा जवाबदेही एवं उत्तरदायी होना चाहिए। इससे जनता की नीतियों का क्रियान्वयन करना आसान होगा तथा जनता का लोकसेवक के प्रति विश्वास बढ़ेगा। जिससे उसको भविष्य के नीतियों एवं कार्यक्रमों में आसानी होगी

(d) स्पष्टता/खुलापन

Openness

खुलापन से लोकसेवकों के भ्रष्टाचार को सीमित किया जा सकेगा। उनके द्वारा किये जा रहे प्रत्येक खर्च की जानकारी जनता को होगी तो जनता का उसके कार्यक्रमों एवं नीतियों के प्रति विश्वास बढ़ेगा। इससे लोकसेवक जनता के लिए अन्य कार्यक्रमों को अच्छी तरह से क्रियान्वित कर सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(e) दृढ़ता

Fortitude

लोकसेवको को उनके पद के दौरान विभिन्न प्रकार की समस्याओं, चुनौतियो, धमकियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उन्हें सदा अपने निर्णयो पर अड़े रहना चाहिए। साथ ही नीतियो के क्रियान्वयन में भी दृढ़ता अति-आवश्यक होती है। क्योंकि निरंतर ~~बदली~~ बदलती नीतियों के कारण लोकसेवकों के उपर से जनता का विश्वास उठ जाता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. (a) भारत में जन-जीवन को विकृत (अपकर्षित) करने वाले मापदंडों के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रवृत्ति को कैसे रोका जा सकता है? (150 शब्द)

What are the reasons behind deteriorating standards of public life in India? How this trend can be arrested? (150 Words) 10

~~एक~~ भारत में जनजीवन को विकृत करने वाले मापदंड के पीछे निम्न कारण है—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण उपजी नैतिक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए इन चुनौतियों को दूर करने के उपाय सुझाइये। (150 शब्द)

While mentioning the ethical challenges that the process of globalization has engendered, suggest ways to overcome these challenges. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण सरकारी नियंत्रण में कमी आई। निजी क्षेत्रों का प्रभाव बढ़ा। इसी स्थिति में विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आने तथा जनभागीदारी में वृद्धि से कई नैतिक चुनौतिया उभर कर सामने आई है जो निम्न

- वैश्वीकरण के बाद भौतिकवादी संस्कृति को बढ़ावा मिला जिससे भ्रष्टाचार का ~~जन्म~~ जन्म हुआ।
- इस युग में तकनीकी ~~एवं~~ विकास की अंधाधुंध दौड़ में मानव अपने नैतिकता एवं मूल्यो से दूर होता जा रहा है।
- इस दौर में सामाजीकरण की प्रक्रिया भी सामाजिक मूल्यो का समावेश नही कर पा रही है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके कारण सहिष्णुता, निष्पक्षता सत्यनिष्ठा जैसे बुनियादी मूल्यों में कमी आ रही है इसलिए इन चुनौतियों को दूर करने हेतु इसके निम्न प्रयास किये जाने चाहिए।

⇒ शिक्षा में सहिष्णुता, लैंगिक संवेदनशीलता, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों पर ज्यादा ध्यान दिया जाए।

⇒ शिक्षा को केवल सूचनाओं का संग्रह योग्य ना बनाकर मानवीय मूल्यों के विकास का साधन बनाया जाए।

⇒ सरकारी संस्थाओं और संगठनों में 'मस्तिष्क विकास कार्यक्रमों' के माध्यम से मनोवैज्ञानिक विकास को बढ़ावा।

⇒ लोगों में सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठ जैसे तत्वों का समावेश किया जाए।

इस प्रकार वैश्वीकरण के कारण घटते सामाजिक संबंधों, मानवीय गुणों को बढ़ावा देकर मानवीय नैतिक मापदंडों को बनाये रखा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. निम्नलिखित के मध्य विभेद कीजिये: (150 शब्द)

Differentiate between the following: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) वैयक्तिक नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता

Personal ethics and professional ethics

व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन मे कार्य करते समय उन सामाजिक मूल्यो का पालन करे जो सार्वभौमिक है व्यक्तिगत नैतिकता है। जबकि व्यवसायिक नैतिकता मे एक व्यक्ति व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक हितो के मध्य द्वन्द की स्थिति मे हमेशा व्यक्तिगत हितो को त्यागकर ~~व्यवसायि~~ व्यवसायिक हितो को वर्चस्वता देना। |

(b) समानुभूति और करुणा

Empathy and compassion

जब दूसरे व्यक्ति की भावनाओ को समझकर उसकी पीड़ा का अनुभव किया जाता है तो उसे समानुभूति कहा जाता है लेकिन जब उस पीड़ा को दूर करने हेतु जो प्रयास किया जाता है। ~~उसे~~ उसे करुणा कहा जाता। अत: समानुभूति भावनात्मक पक्ष एवं करुणा क्रियात्मक पक्ष है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) नीतिशास्त्र और नैतिकता

Ethics and morality

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नीतिशास्त्र एवं नैतिकता दोनों परम्पराओं एवं रीति रिवाज का क्रमबद्ध अध्ययन है जो मूल्यों के समुच्च पर आधारित होते हैं। परन्तु नीतिशास्त्र मूल्यों का ऐसा समुच्चय है जिसे सार्वभौमिक सहमति प्राप्त होती है। जबकि नैतिकता किसी व्यक्तिगत मूल्य को दर्शाता है। परन्तु दोनों मूल्यों को ध्यान दिया जाता है।

(d) नीति-संहिता और आचार-संहिता

Code of Ethics and Code of Conduct

नीति संहिता अंतरात्मा का गुण है जिसे व्यक्ति का आंतरिक गुण कहा जाता है इसका पालन स्वैच्छिक होता तथा इसका उल्लंघन पर आत्मग्लानि होती है वही आचार संहिता मानव का बाह्य पहलू है जिसका पालन अनिवार्य होता है एवं इसका उल्लंघन करने पर दण्ड मिलता है। नीति संहिता सार्वभौमिक होती है जबकि आचार संहिता व्यवसाय के आधार पर निर्धारित की जाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) लोक निधियों का प्रभावी उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था तथा लोक वित्त की दक्षता के लिये, बल्कि समाज की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये भी अत्यावश्यक है। चर्चा कीजिये।

(150 शब्द)

Effective utilization of public funds is essential not only for economy and efficiency of public finance but also for meeting the development needs of the society. Discuss.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत मे मुख्य रूप से तीन लोकनिधियां है-

1. संचित निधी

2. लोक लेखा निधी

3. आकस्मिक निधी।

इन निधियो के माध्यम से सरकार द्वारा चलाये जाने वाले कार्यक्रमो का क्रियान्वयन एवं बजट उपलब्ध कराया जाता है। यदि इनका प्रभावी उपयोग नही किया गया तो निम्न नकारात्मक प्रभाव पडेगे-

- लोक निधी मे जनता का धन जमा किया जाता है यदि इसका दुरुपयोग किया गया तो जनता मे असंतोष बढेगा।
- योजनाओ ~~एवं~~ कार्यक्रमो मे धन का सदुपयोग नही किया गया तो वे असफल होगे जिससे सामाजिक विकास मे बाधा उत्पन्न होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- इनके दुरुपयोग राजकोषीय नीति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जिससे अर्थव्यवस्था का विकास अवरुद्ध होगा
- इनका धन का उचित आवंटन यदि राज्यों को नहीं किया गया तो राज्य अपने सामाजिक कार्यों तथा विकास योजनाओं के लिए वित्त उपलब्ध नहीं करा पायेंगे।
- इनका उपयोग से ही शासन का संचालन, कर्मचारियों को वेतन मिल पायेगा तभी सरकारी प्रशासन प्रभावी कार्य कर पायेगा।

इस प्रकार लोक निधी मूलतः जनता का पैसा होता है इसके लिए इसका सदुपयोग जनहित में किया जाए क्योंकि आकस्मिक निधी का धन जनता को प्राकृतिक आपदाओं के खतरे से निपटने के लिए किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) प्राय: ऐसा समय भी आता है जब नीतिशास्त्र और विधि एक-दूसरे से संघर्ष करते प्रतीत होते हैं। उदाहरण देते हुए ऐसे संघर्षों के समाधान हेतु उपाय सुझाइये। (150 शब्द)

There are times when ethics and law come in conflict with each other. While citing examples of such instances, suggest ways to resolve such conflicts. (150 Words) 10

नीतिशास्त्र मूल्यों का ऐसा ~~समुच्च~~ समुच्च होता है जिसे सार्वजनिक सहमति प्राप्त होती है। जो सार्वभौमिक एवं सामाजिक मानदंड के आधार होते हैं इन्ही के आधार पर समाज मे किसी व्यक्ति द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है तथा इसका पालन स्वैच्छिक है। इसका उल्लंघन करने पर आत्मग्लानि होती है

जबकि विधी भी मूल्यों का समुच्च होता है परन्तु इसमें बाध्यकारिता होती है। इनका उल्लंघन होने पर दण्ड का प्रावधान होता है।

कभी कभी लोकसेवकों द्वारा किये जा रहे कार्यों मे नीति शास्त्र एवं विधी के मध्य द्वन्द की स्थिति उत्पन्न हो जाती है ऐसी स्थिति मे लोकसेवक किस का चयन करे उसे निम्न उदाहरण से समझते –

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(i) यदि एक लोकसेवक कार्य करते समय कोई कार्य नैतिक रूप से सही है परन्तु कानूनी रूप से सही नही है तो ऐसी स्थिति मे सदा लोकसेवक को कानून का पालन करना चाहिए और उसे संवैधानिक नैतिकता का अनुपालन करना चाहिए

(ii) यदि दूसरी परिस्थिति लोकसेवक द्वारा किया गया कार्य यदि नैतिक रूप से ~~सही~~ गलत है परन्तु कानूनी रूप से सही है तो ऐसी स्थिति मे उसे तत्कालीन परिस्थिति के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए परन्तु ऐसा निर्णय सदा सार्वजनिक हित मे होना चाहिए।

अतः इनके मध्य द्वन्द्व की स्थिति मे एक लोकसेवक को सदा सार्वजनिक हित को ध्यान रखना चाहिए यदि सार्वजनिक हित को पूरा करते समय यदि नैतिकता का उल्लंघन होता है तो वह भी समाज के लिए उचित होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. भारत में एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के अनुपालन में निम्नलिखित की भूमिका को स्पष्ट कीजिये: (150 शब्द)

Explain the role of the following in bringing about a healthy political culture in India: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) राज्य द्वारा चुनावों का वित्तपोषण

State funding of elections

चुनावों का वित्तपोषण से पारदर्शिता चुनावी संस्कृति के अनुपालन को बढ़ावा देगी। क्योंकि सबसे ज्यादा कालाधन चुनावों में प्रयोग किया जाता है। इसलिए राज्य द्वारा चुनाव में किया गया वित्तपोषण चुनावी पारदर्शिता को बढ़ायेगा। इस के चुनावी बॉन्ड पहल एक सकारात्मक पहल है। इससे चुनावों में जनता पैसे के आधार पर मत ना देकर उम्मीदवार की योग्यता एवं उसकी क्षमता के आधार पर मतदान करेगी।

(b) दल-बदल विरोधी कानून को सुदृढ़ करना

Tightening of anti-defection law

दल-बदल विरोधी कानून से चुनाव बाद खरीद-फरोख्त पर नियंत्रण लग सकेगा। इससे निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा किया जा रहा दुरुपयोग पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा। सरकार की स्थिरता बनेगी तथा चुनाव में पारदर्शिता बढ़ेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इससे चुनाव के दौरान होने वाली धांधली रुकेगी एवं मनोनित सदस्यों पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा।

(c) लोकसेवकों के लिये नीति-संहिता

Code of ethics for public servants

लोकसेवक चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाते हैं। इसलिए लोकसेवकों से सदा यह आशा की जाती है कि वे इस कार्य को सम्पन्न करते समय सदा सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठा, ईमानदारी निष्पक्षता तथा तटस्थता जैसे बुनियादी मूल्यों का पालन करें।

इससे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी। अधिक से अधिक मतदाता चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेंगें। जनता का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बढ़ेगा जिससे चुनाव संस्कृति के अनुपालन को बढ़ाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण से आप क्या समझते हैं?

What do each of the following quotations mean to you?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) "खुशी तब होती है जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, में एक सामंजस्य होता है।"
– महात्मा गांधी (150 शब्द)

"Happiness is when what you think, what you say, and what you do are in harmony"
–Mahatma Gandhi (150 Words) 10

महात्मा गांधी ने बेंथम के सुखवाद के सुधारात्मक पहलू के रूप खुशी को स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि खुशी तब होती है जब आप जो सोचते है, जो कहते है और जो करते है इसके सामंजस्य हो।'

इसका तात्पर्य गांधीजी आत्मा की खुशी की बात करते है। क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति मे ईश्वर का अंश है और यह अंश व्यक्ति को सदा अच्छा, करुणामयी, दयावान, सहयोगी, मित्रतापूर्ण सोचने के लिए विवश करता है। यदि किसी व्यक्ति को इसके अनुसार कार्य करता है तो इससे समाज मे परोपकारिता, परहित तथा निःस्वार्थ सेवा भाव बढ़ेगा। जिससे व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से खुशी प्राप्त होगी। इस ही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधी सुख कहते है।

गांधीजी के अनुसार सुख कोई भौतिक वस्तु नही बल्कि यह आध्यात्मिक है। इसलिए गांधीजी उच्चस्तरीय सुख की बात करता है।

गांधीजी के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के आतरिक विचार एवं उसके कार्य मे अन्तर न होना सुख है। तो यही सुख तो सत्य है। क्योंकि जब व्यक्ति अपने आंतरिक मूल्यों के अनुसार व्यवहार करता है तो उसे सत्यनिष्ठ। कहते है।

इस प्रकार गांधीजी इसके माध्यम से आध्यात्मिक सुख, व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास तथा सत्यनिष्ठ। का समर्थन करते है इसलिए गांधीजी के अनुसार मन, कर्म और वचन मे सामंजस्य होना ही खुशी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं अपने दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने से ज्यादा बहादुर उसे मानता हूँ जो अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर लेता है क्योंकि स्वयं पर जीत अत्यंत कठिन होती है।" — अरस्तू (150 शब्द)

"I count him braver who overcomes his desires than him who conquers his enemies, for the hardest victory is over self." — Aristotle (150 Words) 10

अरस्तु के अनुसार दूसरों पर विजय पाना आसान होता है, परन्तु एक व्यक्ति यदि स्वयं पर विजय पा ले तो वही बहादुर होता है।

प्रत्येक व्यक्ति के मन में विभिन्न प्रकार की संवेदनाऐं उत्पन्न होती है जो इच्छाओं को जन्म देती है। व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण कर पाया तो उसे आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्त हो जाएगी क्योंकि इन्द्रियों पर नियंत्रण भौतिक एवं लौकिक संसार मे संभव नही है।

व्यक्ति के अंदर उत्पन्न होने वाली इच्छाओं पर काबू पाना इतना आसान नही है क्योंकि व्यक्ति के उपर विभिन्न प्रकार की माया जैसे सुख, आनंद, भौतिकवादी, क्रोध, अहं तथा द्वेष का आवरण छा गया इसलिए कोई भी व्यक्ति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस समस्या को हल नही पायेग। और यदि किसी व्यक्ति द्वारा इनपर नियंत्रण पा लिया तो वह व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को पराजित कर सकता है।

अरस्तू का मानना है कि व्यक्ति दूसरों पर विजय तो शारीरिक साधनों से प्राप्त करता है। परन्तु स्वयं विजय पाने हेतु मानसिक साधनों जैसे योग, साधना, तपस्या तथा भौतिकवादी समाज का त्याग करना इत्यादि। तथा कोई भी व्यक्ति आसानी से इनका उपयोग नही कर सकता है।

इस प्रकार इन्द्रियों पर नियंत्रण प्रत्येक व्यक्ति के वश मे नही होता। यह गहन साधना तप और तीव्र इच्छाशक्ति के द्वारा संभव हो पाता है। इसलिए अरस्तू कहता है। स्वयं पर विजय पाना आसान नही होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9. राजेश किसी ज़िले में एक प्रमुख तेल विपणन कंपनी के लिये ज़िला नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त है। उसे ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बनाने के लिये अधिकृत किया गया है। हालाँकि उसे पता चलता है कि इस योजना के प्रति लोगों की व्यावहारिक समस्याएँ एक बड़ी बाधा है। अधिकांश निवासियों को यह आशंका है कि एल.पी.जी. पर पकाया गया भोजन अस्वास्थ्यकर और स्वादहीन होता है। वे एल.पी.जी. के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी आशंकित हैं। एल.पी.जी. पंचायत तथा सुरक्षा जागरूकता शिविरों के आयोजन के बाद भी ये चुनौतियाँ बनी हुई हैं और निवासियों ने इन्हें भ्रामक बताते हुए पूर्णतः बहिष्कृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त अन्य कारक जो इस योजना की सफलता को प्रभावित कर रहे हैं, उनमें बायोमास की सस्ती उपलब्धता एवं एल.पी.जी. सिलेंडर को फिर से भरने में लोगों की अवहनीय क्षमता भी शामिल है।

उपरोक्त स्थिति में राजेश के समक्ष उपस्थित विकल्पों को चिह्नित कर उनका मूल्यांकन कीजिये ताकि वह ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बना सके। (250 शब्द)

Rajesh is posted as a District Nodal Officer for a leading oil marketing company in a certain district. He has been authorized to make the Ujjawala scheme a success in the district. However, he finds that behavioral issues on the part of residents is a big hurdle. Most of the residents have the apprehension that food cooked on LPG is not healthy and is tasteless. They are also apprehensive about the safety of LPG. These challenges persist even after the conduct of LPG Panchayat and safety awareness camps, and residents dismiss these as misleading. Apart from this, other factors that are checking the success of the scheme include cheap availability of biomass and unaffordability to refill LPG cylinder.

In view of the above situation, identify and evaluate the options before Rajesh so that he can make Ujjawala scheme successful in the district. (250 Words) 20

उपर्युक्त प्रकरण में राजेश के समक्ष निम्न समस्यायें विद्यमान है -

- लोगों को L.P.G. सिलेण्डर के व्यवहारिक लाभ का अभाव
- इसके उपयोग को लेकर लोगों में बढ़ता भय
- सुरक्षा जागरूकता शिविरों की असफलता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- निवासियों द्वारा इसे भ्रामक बताते हुऐ बहिस्कृत कर दिया है।

इन समस्याओं के मद्देनजर राजेश के पास निम्न विकल्प होंगे →

प्रथम विकल्प: इसके अंतर्गत राजेश गांव के बहिष्कार को देखते हुऐ उस गांव में उज्ज्वला योजना के विकल्प की तलाश करेगा। इसके पक्ष में प्रमुख तर्क निम्न हैं –

- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का विश्वास सरकार पर बना रहेगा।
- सरकारी बहिष्कार को रोका जा सकता है।

विपक्ष में:

- कर्तव्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठा तथा प्रतिबद्धता जैसे बुनियादी मूल्यों से समझौता करना पड़ेगा।
- योजना की विफलता एक लोकसेवक की अयोग्यता का निर्धारण करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विकल्प

द्वितीय विकल्प के रूप में राजेश योजना का प्रभावी एवं संगठित रूप से क्रियान्वयन करेगा इसके लिए निम्न रणनीति बनायेगा।

⇒ सर्वप्रथम ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित लोगों तथा उनका नेतृत्व करने वाले व्यक्तियों को योजना के लाभो से ~~अवग~~ परिचित करवाया जाएगा।

↳ जिन क्षेत्रों मे उज्जवला योजना की सफलता हुई है वहाँ के लोगों की सुविधाओं तथा इसके सकारात्मक प्रभाव के बारे मे ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को एक लघु पिक्चर दिखाई जाए जिससे लोगों की व्यवहारिकता को बदला जाए।

⇒ इसके कारण किसी भी प्रकार का कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नही होती है इसके लिए स्थानीय चिकित्सकों के माध्यम से ग्रामीण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोगो का जानकारी दी जानी चाहिए

⇒ सरकार द्वारा इसके लिए दी जारही सब्सिडी के बारे मे जानकारी उपलब्ध कराई जाई।

⇒ जो क्षेत्र या ग्राम इसका क्रियान्वन सफल प्रकार से कर पायेगा तो उसको पुरस्कार तथा अन्य प्रोत्साहन दिया जाये।

↳ घरेलू ईंधनो का प्रयोग करने से महिलाओ के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले ~~प्रभाव~~ नकारात्मक प्रभाव के बारे में विज्ञापनों के माध्यम से दर्शाया जाये।

↳ सोशल मीडिया, संचार साधनो के माध्यम से इस योजना को जागरूकता फैलाना

↳ एलपी.जी सिलेंडर प्राप्त करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के मापदंडो को आसान बनाया जाये।

इस प्रकार यह विकल्प इस योजना का क्रियान्वयन सटीकता से कर पायेगा। इस हेतु हमें स्थानीय लोगों, सरपंच तथा स्थानीय शासन का सहयोग लिया जाये।

अतः राजेश द्वारा इसकी सफलता हेतु एक दूरदर्शी, सकारात्मक एवं समन्वित रणनीति बनानी ~~चाहिए~~ चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. एक ज़िले में एक के बाद एक जाति आधारित अत्याचार की कुछ घटनाएँ घटित हुई हैं। इससे उत्पीड़ित जातियों के समूह ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस प्रकार के एक विरोध प्रदर्शन में व्यापक हिंसा हुई। कई लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हुए और स्थानीय अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है। उस अस्पताल में कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से कम है तथा बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इस अव्यवस्थात्मक स्थिति में एक गर्भवती महिला जिसे विरोध प्रदर्शन के कारण अस्पताल पहुँचने में देरी हो जाती है, अस्पताल में भर्ती होती है।

उपरोक्त आपातकालीन स्थिति के मद्देनज़र डॉक्टरों ने अन्य मरीजों की अपेक्षा उसे अधिक महत्त्व देते हुए उसका ऑपरेशन किया। इसी बीच एक घायल दलित युवक ने दम तोड़ दिया। इसे जातिगत पूर्वाग्रह तथा डॉक्टरों की लापरवाही का मामला करार देते हुए अस्पताल प्रशासन के खिलाफ बड़े स्तर पर हिंसा हुई, जिसका स्थानीय राजनेताओं ने समर्थन किया। परिणामस्वरूप कुछ रेज़िडेंट डॉक्टरों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी, जिससे कई लोगों की जान चली गई।

(a) मान लीजिये कि आप संबंधित ज़िले के ज़िलाधिकारी हैं और राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष आपसे विभिन्न पक्षों की विश्वसनीयता का निर्धारण करने के लिये कहता है, तो आपकी रिपोर्ट का विवरण क्या होगा?

(b) आप क्या सुझाव देंगे ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ घटित न हों?

(c) यह जानते हुए भी कि ऐसा करना समाज हित के विपरीत है क्या आप इस बात से सहमत हैं कि डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा विरोध सही है? (250 शब्द)

In a district few incidents of caste based atrocities have taken place in quick succession. This has led to protest movement by group belonging to the oppressed castes. In one such protest there was large scale violence. Many people got injured, some severely, and they are being treated in a local hospital. The hospital is understaffed and also lacks infrastructure. In such a chaotic situation, a heavily pregnant lady, who got delayed due to protest was admitted to the hospital. In view of the above emergency case, doctors attended to her and got her operated. Meanwhile a young dalit youth succumbed to his injuries. Terming this to be a case of caste bias and negligence on the part of doctors, large scale violence against the hospital administration started, which was supported by local politicians. This resulted in severe and critical injury to some resident doctors, after which doctors went on a flash strike which resulted in more loss of lives.

(a) Suppose you are District Magistrate of the area concerned, and chairman of the State Human Rights Commission asks you to determine the culpability of different parties, what will be the content of your report?

(b) What will be your suggestions so that such type of incidents are avoided in the future?

(c) Do you agree that doctors are right in their protest given that it is against the greater good. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संबंधित समस्याऐं

- जाति आधारित हिंसात्मक घटना
- बड़ी मात्रा मे लोगों का गंभीर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूप से घायल
- सीमित मात्रा में अस्पताल एवं डॉक्टरो की संख्या
- दलित व्यक्ति का इलाज समय पर नही मिलने से उसकी मृत्यु तथा इसका जातिकरण करना
- साम्प्रदायिक हिंसा के बाद डॉक्टरों द्वारा हड़ताल करना

(4) मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में निम्न बाते शामिल करूंगा →
- घटनास्थल पर मृत्यु की घटना नही घटित हुई
- घायल एवं गंभीर रूप से घायलों का इलाज किया जा रहा है।
- कुछ घटनाओ को छोड दे तो यहां पर मानवाधिकारों का कोई ज्यादा उल्लंघन नही हुआ है।
- प्रशासन द्वारा समस्या के समाधान हेतु दीर्घकालीन रोकथाम के उपाय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किये जा रहे है तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओ पर नियंत्रण पाया जा सके।

(B) भविष्य मे इस प्रकार की घटना का रोकथाम हेतु निम्न सुझाव -

- क्षेत्र मे कानून व्यवस्था का कठोरता से पालन किया जाऐ
- कुछ असामाजिक तत्व जो इस प्रकार के संकीर्ण मुद्दो पर हिंसात्मक कार्यवाई करते है उनको रोकना।
- लोगो मे जातिगत, लिंग, धर्म एवं समुदायो के प्रति सामंजस्य स्थापित करने की भावना का विकास करना
- क्षेत्र मे अस्पताल एवं डॉक्टरो की संख्या बढाई जाऐ तथा वहा पर सभी प्रकार की आधुनिक तकनीके उपलब्ध करवाई जाऐ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

• सामाजीकरण की प्रक्रिया से ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहिष्णुता, समानुभूति, दया, करुणा जैसे मूल्यों को विकसित किया जाए।

(b) डाक्टरो की हड़ताल तत्कालीन समय में अनुचित थी जिसके निम्न तर्क है —

• डॉक्टरों का बुनियादी मूल्य, आचरण संहिता रोगी का इलाज करना चाहे वह उसका शत्रु हो या मित्र।

• कुछ असामाजिक तत्त्वों की वजह से निर्दोष लोगो का इलाज न करना नैतिकता के विरुद्ध था।

• तत्कालीन समय में हड़ताल समस्या का समाधान नही था बल्कि पुलिस प्रशासन की सहायता से इन विरोधी तत्त्वों को रोकना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- डॉक्टरो की इस हड़ताल से कानून व्यवस्था के सोर ज्यादा बिगड़ने की संभावनाऐ थी।

इस प्रकार ऐसी स्थिति मे डॉक्टरो की हड़ताल अनुचित थी परन्तु ~~समा~~ समाज को भी इस प्रकार की हिंसात्मक कार्यवाई का सहयोग नही लेना चाहिए था। उनको तो ऐसे समय मे डाक्टरों की सबसे ज्यादा आवश्यकता थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

11. छात्रों का एक समूह नदी के किनारे स्थित एक गाँव में जाता है, जो बहुत ही खराब स्थिति (बुनियादी सुविधाओं की कमी) में है। वहाँ लोग बिजली, स्वच्छता, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना झोपड़ियों में निवास कर रहे हैं। उपरोक्त अभावों के परिणामस्वरूप समीप के अन्य गाँवों ने इस गाँव का बहिष्कार कर दिया है, यहाँ तक कि इस गाँव को 'कुँवारा गाँव' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह इस गाँव में नहीं करता है। उनकी अवस्था को देखने के बाद छात्रों के इस समूह ने ज़िला प्रशासन से संपर्क करने का निर्णय लिया। इस अत्यंत विकृत स्थिति के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि यह गाँव गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की सूची में श्रेणीबद्ध है।

नियमों के अनुसार, नदी तट से 500 मीटर के भीतर कोई निर्माण गतिविधि नहीं हो सकती है क्योंकि किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि संरक्षित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

एक ज़िलाधिकारी के रूप में कुछ संभावित रणनीतियों पर चर्चा कीजिये जिन्हें इस क्षेत्र के विकास हेतु अपनाया जा सकता है। (250 शब्द)

A group of students visit a village, situated on the bank of a river, which is in very poor condition. People are residing in shanties without basic infrastructure, like electricity, sanitation and water supply. Further, other villages in the close vicinity have boycotted this place, due to the above limitations, so much so that it is known as bachelor village as nobody marries their daughter in this village. After watching their condition, this group of students decided to approach the district administration. Questioned about the abysmal state of affairs, authorities pointed out that the village lies in the protected area especially earmarked by the government for protection of critically endangered species.

According to the rules there can be no construction activity within 500 meters of the river bank because any kind of construction activity would adversely affect the conservation zone.

As a District Collector, discuss some possible strategies which could be adopted to bring development to this area. (250 Words) 20

समस्याओं का विश्लेषण :-

- गाँव की आर्थिक- सामाजिक एवं विकास की दृष्टि से दयनीय स्थिति।
- इसमे संकटापन्न प्रजातियों का निवास स्थल होने से इनके अस्तित्व का खतरा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पर्यावरणीय मानदंडो एवं गांव के लोगो की दयनीय स्थिति के मध्य द्वन्द्व

- 'कुवांरी गांव' होने की वजय से जनसंख्या की वृद्धि असंभव

इन उपर्युक्त समस्याओं को देखते हुऐ एक जिलाधिकारी के रूप में मेरे निम्न मूल्यो एवं नैतिकताओं का प्रयोग करते हुऐ समस्या का समाधान करूगा।

- पर्यावरणीय नैतिकता
- समानुभूति
- कर्तव्यनिष्ठा
- सत्यनिष्ठा
- कुशलता
- समयबद्धता एवं मितव्ययता

इन्हीं मूल्यो एवं समस्याओं को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र के विकास की प्रमुख रणनीतियाँ निम्न

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होंगी –

- सबसे पहले एक कुशल सर्वेक्षण के माध्यम से वहाँ की भौगोलिक स्थिति का आकलन करना।
- इस पूरे गांव को वहाँ से कुछ दूर विस्थापित कर इनके आर्थिक, सामाजिक एवं अवसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा दिया जाए।
- नदी में उपलब्ध संसाधनों को इनकी आजीविका का साधन बनाने हेतु इनकी मत्स्यपालन की तकनीकें विकसित करना।
- आस-पास के गांवों में इनके प्रति बढ़ती नकारात्मक सोच के बदलाव हेतु इनमें जागरूकता बढ़ाना तथा इनकी वास्तविक स्थिति का अनुभव करवाना।
- इस गांव के लोगों की पहुँच शिक्षा, बाजार तथा शहर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

तक करना ताकि लोगों का जीवन स्तर बदल सके।

- इनकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर अनुकूल व्यवसाय को प्रोत्साहन देना
- यहाँ पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए ~~छोटे छोटे~~ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की शुरुआत खोलना।
- सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना समस्त योजनाओं एवं कार्यक्रमों की इन लोगों तक पहुँच सुनिश्चित करना।
- स्थानीय शासन पर कठोर कार्रवाई करते हुए ऐसे अन्य लोगों की समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान करना।

इस प्रकार स्थानीय

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. रमेश एक ऐसे ज़िले का ज़िलाधिकारी है, जो ज़िला नशीली दवाओं के कारण दयनीय स्थिति में है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिये एक विशेष अभियान शुरू किया है, जिसमें नशीली दवाओं से प्रभावित ज़िलों में दो घटक शामिल किये गए हैं। ये घटक निम्न हैं:

(i) महिलाओं को नशा मुक्त करना।

(ii) एक ऐसे संगठन को शामिल करना जो नशीली दवाओं का उपयोग करने वालों के बीच जागरूकता अभियान आयोजित करता है और उन भेद्य समूहों को चिह्नित करता है जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार हो सकते हैं।

ज़िला प्रशासन को पहले घटक हेतु कार्य करने का अधिकार दिया गया है, वहीं दूसरे घटक के लिये ज़िला प्रशासन आवेदन आमंत्रित करेगा।

(a) पहले मामले में रमेश को ज्ञात होता है कि ज़िले की महिलाएँ बहुत प्रतिकूल स्थिति में हैं। नशे में धुत महिलाएँ नहीं चाहती हैं कि उनके परिवार के सदस्यों को उनकी समस्याओं के बारे में पता चले। उनके पुनर्वास में सामाजिक अस्वीकृति, असुरक्षा का भय और समर्थन की कमी जैसी समस्याओं ने बाधाएँ उत्पन्न की हैं। यह भी पता चला है कि महिलाओं को सामाजिक बाधाओं एवं कलंक का सामना भी करना पड़ रहा है।

इस समस्या को हल करने के लिये रमेश को कौन-सा नया तरीका अपनाना चाहिये?

(b) आवेदनों की जाँच करते समय आप पाते हैं कि एक आवेदन उत्तम है। इसका रिकॉर्ड त्रुटिहीन है और इसने अपने उत्कृष्ट कार्य हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं। हालाँकि आपके कर्मचारियों में से एक आपको बताता है कि वह संगठन के मालिक को व्यक्तिगत रूप से जानता है और आपको मालिक के बारे में दस्तावेज़ी सबूत दिखाता है कि किशोरावस्था में उसे नशीले पदार्थों के सेवन में लिप्त पाया गया था तथा विधि के अनुसार उसे दंडित किया गया था। परंतु उपरोक्त घटना के पश्चात् उसने कभी नशीले पदार्थों का सेवन नहीं किया और अब वह पूरी तरह से बदल चुका है तथा पिछले 30 वर्षों में उसने वास्तव में बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन आवेदन में उपर्युक्त तथ्य का उल्लेख नहीं किया गया, जबकि अधिसूचना में पूर्व सज़ा, यदि कोई दी गई है, की घोषणा करना अनिवार्य था।

रमेश ने फिर भी आवेदन स्वीकार कर लिया।

क्या आप सहमत हैं कि विधिक रूप से निषिद्ध होने पर भी रमेश के कार्य नैतिक रूप से उचित हैं? क्यों या क्यों नहीं?

(250 शब्द)

Ramesh is District Magistrate of a district, which is reeling under the menace of drug abuse. The State government has started a special drive to deal with the problem, with two components in drug affected districts. These components are:

(i) To rehabilitate women drug addicts.

(ii) Engage an organization that creates awareness among drug users and identify vulnerable groups who might be prone to drug abuse.

District administration is mandated with dealing with the first component, whereas for the second component district administration will be inviting applications.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन, स्वैच्छिक समूहों एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- नशीले पदार्थों की हो रही तस्करी तथा उपयोग को रोकने हेतु इसकी आपूर्ति करने वाली गिरोहें को गिरफ्तार करवाया जाए तथा उन पर कठोर कार्यवाई की।

- नशा करने वाली महिलाओं को चिन्हित किया जाए तथा उन्हे विशेष आवास सुविधा, उनकी मनोवैज्ञानिक स्थिति का आकलन कर उनको इसके दुष्परिणामों के बारे मे बताए तथा उसकी वजय से उसकी संतान को हो रहे नुकसान से अवगत कराया जाए।

- समाज मे महिलाओं के विरुद्ध बढ़ रहे अपराधों को रोकने हेतु एक अलग रणनीति बनाई जाएगी

- स्थानीय प्रशासन के सहयोग से ऐसे धंधो मे गैर कानूनी नशीली

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) In first case Ramesh finds that women in the district are at a very disadvantageous position. Drug-addicted women don't want that their family members should know their problems. Societal disapproval, fear of exposure and lack of support further restrict their access to rehabilitation. It has also been found that women are facing social constraints and stigma.

Which new approach Ramesh should adopt to solve this problem?

(b) While scanning applications, you find that one application stands out. It has an impeccable track record and has won many awards nationally and internationally for its work. However, one of your staff tells you that he knows the owner personally and shows you the documentary evidence about the owner of the organization, that as a teenager, he was found in possession of drugs and punished in accordance with the law. But since the above incident, he never took drugs and now is a transformed man and has done really well in last 30 years. But the above fact wasn't mentioned in the application, however, in the notification, it was mandatory to declare cases of previous conviction, if any.

Ramesh went ahead and accepted the application.

Do you agree that Ramesh's actions are ethically justified even if legally prohibited? Why or why not? (250 Words) 20

(a) महिलाओं का नशाखोरी मे शामिल होने से सम्पूर्ण परिवार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही महिलाओं को यौन उत्पीड़न, सामाजिक कलंको का भी सामना करना पड़ता है। इसलिए इस गंभीर समस्या का समाधान प्रशासन किसी अन्य संगठन का सहयोग लिये बिना स्वयं करता है। इस दौरान जिलाधिकारी के रूप मे रमेश को निम्न रणनीतिक उपायों का प्रयोग करना होगा जो निम्न है:—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किया जाये परन्तु यह नैतिकता सार्वजनिक हित के अनुकूल होनी चाहिए तो वह उचित एवं एक लोकसेवक के लिए सही निर्णय होगा

○ लोकसेवक का प्रथम दायित्व समाज के समस्याओ का समाधान करना और ऐसी स्थिति मे यदि वह कुछ सीमा तक कानूनों के साथ समझौता करे तो वह भी उचित होगा तथा यह समझौता सार्वजनिक हित के लिए हो

○ रमेश द्वारा चुने गये संगठन के क्षमता, कार्यकुशलता है तथा वर्तमान समय मे उसका अध्यक्ष भी किसी प्रकार के गैर कानूनी कार्य मे संलिप्त नही है तो उसे स्वीकार करना सही है। क्योंकि व्यक्ति जीवन मे गलती कर सकता है परन्तु यदि वह गलती को सुधारने मे सफल होता है तो इसकी नैतिकता बनी रहेगी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दवाईयों को रोकने हेतु रात में पेट्रॉलिंग की जाए।

- स्थानीय लोगों तथा उस क्षेत्र के पुरुष वर्ग के समझदार लोगों की सहायता ली जाए।
- इसमे संलग्न लोगों तथा गैर जिम्मेदार सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

(b) संगठन इस नशीले पदार्थों के उपयोग की समस्या का आकलन भलीभाँति एवं पूर्णतः सटीकता से करने मे सफल रहा है इसलिए इस संगठन का चयन करना रमेश का सही निर्णय था। इसके पक्ष में तर्क -

- जब कानूनी मूल्य तथा नैतिक मूल्यों के मध्य द्वन्द्व की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो ऐसी स्थिति मे ~~[illegible]~~ कानूनी मूल्य की बजाय यदि नैतिकता का चुनाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. आप एक कानूनी फर्म में भागीदार हैं। आपकी फर्म के ग्राहकों में एक उच्च सामाजिक ख्याति का व्यक्ति है और उसका व्यवसाय समृद्धशाली है। यह ग्राहक आपकी फर्म से पिछले पाँच वर्षों से जुड़ा है। लेकिन अब यह ग्राहक भारत की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी का भागीदार घोषित किया गया है। ग्राहक फरार है और यह माना जा रहा है कि वह एक ऐसे देश में भाग गया है जो केवल पर्याप्त दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करने पर ही उसे प्रत्यर्पित कर सकता है। इस मामले में जाँच एजेंसियों ने आपकी फर्म पर छापा मारा है और ऐसे दस्तावेज़ प्राप्त किये हैं जो ग्राहक के अपराधी होने का संकेत देते हैं।

परंतु आप जानते हैं कि अभी भी फर्म के पास बहुत सी ऐसी जानकारियाँ उपलब्ध हैं जो ग्राहक का अपराध सिद्ध करने के लिये अति महत्त्वपूर्ण हैं। आपको अहसास है कि उस ग्राहक को गिरफ्तार करना और उसे न्याय हेतु प्रस्तुत करना देश हित में होगा।

ऐसी परिस्थितियाँ सामने आने पर आप क्या करेंगे? विभिन्न हितों के संघर्ष का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये और देश का एक ज़िम्मेदार नागरिक होने के नाते अपनी ज़िम्मेदारियों की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द)

You are a partner in a law firm. One of the clients of your firm is a man of high social repute and has a flourishing business. This client has empanelled the firm since last five years. However, this client has been involved in now what is being dubbed as India's biggest bank fraud. The client is on the run and it is believed that he has escaped to a country which can extradite him only if provided with substantial proof. In connection with this case, investigating agencies raid your firm and find incriminating evidence against the client.

But you know that, there is still a lot of information available with the firm, which is vital for ascertaining guilt of the client. You realize that it is very important for the country to get hold of the client and bring him to justice.

Faced with this situation, what will you do? Critically examine various conflicts of interest and explain what are your responsibilities as a responsible citizen of the country. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकरण में मुख्य समस्याएं निम्न —

- व्यवसायिक नैतिकता एवं देशभक्ति की भावना।
- व्यक्तिगत हित एवं सार्वजनिक हित के मध्य द्वन्द
- अपने प्रसिद्ध ग्राहक की गिरफ्तारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः इस प्रकार रमेश द्वारा उस संगठन का चुनाव करना पूर्णतः कानून के खिलाफ नही ~~बल्कि~~ वह नैतिकता पर आधारित सार्वजनिक हित के लिए आवश्यक था ताकि उस जिले की सबसे बड़ी समस्या नशीले पदार्थों के सेवन को रोका जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन उपर्युक्त समस्याओं, हित समूहों तथा मूल्यों को ध्यान मे रखकर मेरे समक्ष निम्न विकल्प होंगे —

प्रथम विकल्प : इसके अंतर्गत मै अपनी कंपनी के हितो को ध्यान मे रखकर उपलब्ध सबूतों का न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत नही करुगा -

इसके पक्ष में

- मैं अपनी कम्पनी की इज्जत को बनाये रखूंगा
- अपने ग्राहक को बचाकर अपनी आय तथा कंपनी के व्यवसाय को बनाये रखूगा

विपक्ष मे

- एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति एवं सत्यनिष्ठ व्यक्ति के लिए आत्मग्लानि होगी
- राष्ट्रीय हित मे नही होगा तथा इससे बैंको की स्थिति ज्यादा खराब होगी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से कंपनी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

विभिन्न हित समूह

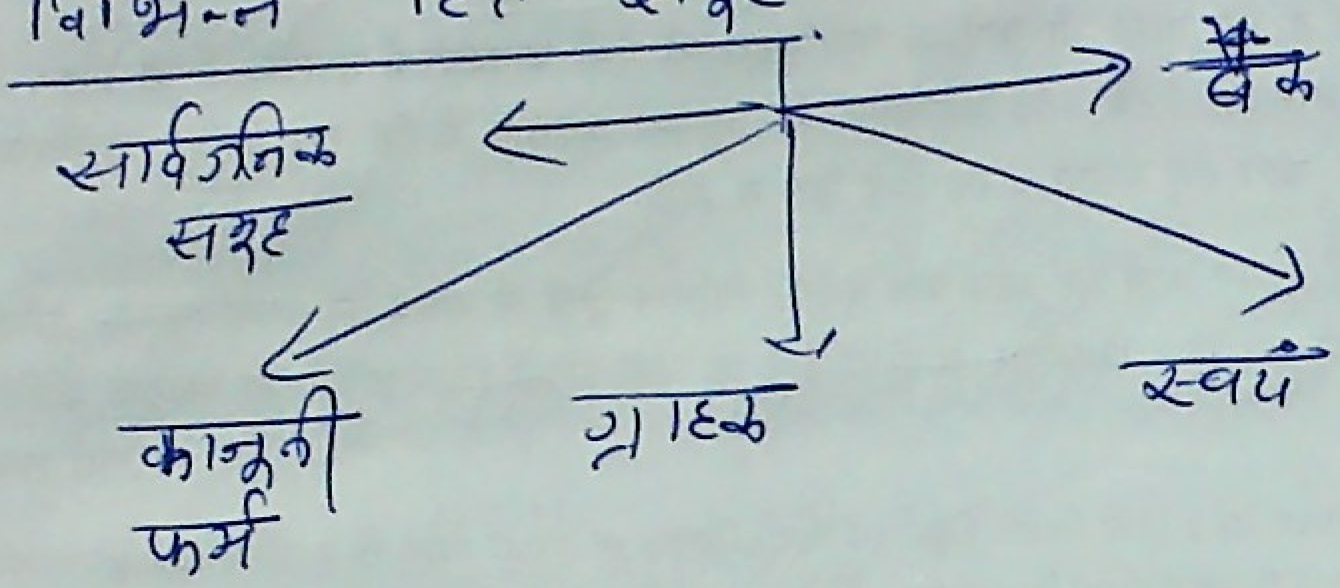

इन उपर्युक्त समस्याओं एवं हित समूहों को ध्यान में रखकर मैं समस्या का समाधान करते समय निम्न नैतिक मूल्यों का प्रयोग करूंगा

- सत्यनिष्ठा
- ईमानदारी
- देशभक्ति
- सार्वजनिक हित
- निष्पक्षता
- वस्तुनिष्ठा
- दृढ़ता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- मैं अपने ग्राहक से अनौपचारिक वार्ता कर उसके द्वारा किये गये अपराध को स्वीकारने के लिए मनाने की कोशिश करूंगा।
- इसके द्वारा किये गये कार्यों को ध्यान में रखकर न्यायालय के समक्ष ~~सौंपे गये~~ सबूतों के सौंपते समय उसके द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों से न्यायालयों को अवगत कराऊंगा ताकि उसकी गिरफ्तारी के बाद उसको सजा कम मिले।

इससे ग्राहक का कंपनी पर विश्वास बना रहेगा तथा मैं अपने कर्तव्य का पालन करने में सफल हो सकूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this ma[rgin])

दूसरा विकल्प

इसके अंतर्गत मैं उन सबूतो को न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत कर उस ग्राहक को गिरफ्तार करवाऊँगा।

पक्ष
- इससे सार्वजनिक हितो की पूर्ति होगी,
- एक ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप मे अपना कर्तव्य पूर्ण करूंगा,

विपक्ष
- इससे कंपनी पर संकट आ सकता है
- एक उच्च सामाजिक ख्याति वाले व्यक्ति की प्रसिद्ध धूमिल होगी

तीसरा विकल्प

मै तीसरे विकल्प का चयन करूगा जिसके निम्न तत्व होंगे -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामने आयेंगी जो निम्न है -

- अपने विभाग की इज्जत तथा मर्यादा को बनाये रखना तथा जनता के उत्पन्न विरोध को भी समाप्त करना।

- ईमानदारी एवं जन-विद्रोह के मध्य दुविधा क्योंकि जनता के विरोध से कानून व्यवस्था बिगड़ने से अराजकता का वातावरण बन सकता है।

- पुलिस कर्मचारी जो ईमानदार है उस पर कार्रवाई करने से ईमानदार व्यक्तियों को हताशा मिलेगी तथा विभाग के उनकी कमी होगी जिसका भविष्य के सामना करना पड़ सकता है। वही इसी और इसके विरुद्ध कार्रवाई नही करने से आम जनता का पुलिस प्रशासन से विश्वास उठ जायेगा। जिससे लोग पुलिस भय से मुक्त हो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. आप एक आई.पी.एस. प्रोबेशनर हैं तथा प्रथम नियुक्ति का सेवाभार ग्रहण करने वाले हैं। जब आप सेवाभार ग्रहण करने जाते हैं तो रास्ते में एक हंगामा देखते हैं जिसमें एक पुलिसकर्मी को किसी अल्पसंख्यक समुदाय के ऑटो चालकों द्वारा पीटा जा रहा है, जब आप घटना स्थल पर पहुँचते हैं तो पता चलता है कि स्थिति पहले से विपरीत हो गई है तथा अब ऑटो चालकों को पुलिसकर्मियों द्वारा कानून को ताक पर रखकर पीटा जा रहा है। आप हस्तक्षेप करने का असफल प्रयास करते हैं।

जैसे ही यह हंगामा समाप्त होता है, आप देखते हैं कि इसे एक राजनीतिक एवं धार्मिक रूप दिया जा रहा है और मीडिया के समक्ष सनसनीखेज घटना बनाने का प्रयास किया जा रहा है। तत्पश्चात् आपको यह भी ज्ञात होता है कि जिस पुलिसकर्मी की पिटाई की जा रही थी, वह विभाग के सबसे ईमानदार पुलिसकर्मियों में से एक था।

सेवाभार ग्रहण करने के बाद आपको यह मामला सौंपा जाता है और इसकी जाँच करने के लिये कहा जाता है। परंतु जनता के आक्रोश तथा राजनीतिक दखल के कारण आप पर पुलिसकर्मियों को कठोर सज़ा देने के लिये दबाव डाला जा रहा है।

हालाँकि आपके द्वारा कठोर सज़ा दिये जाने से पुलिसकर्मियों का मनोबल गिरेगा, वहीं प्रभावहीन सज़ा समाज में असंतोष उत्पन्न करेगी।

आपको इस परिस्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिये? इस मामले में आपके समक्ष कौन-सी दुविधाएँ हैं? (250 शब्द)

You are an IPS probationer, about to join your first posting. While on your way to join , you saw a commotion in which a policeman was being beaten up by auto drivers of a minority community. However, when you reach the site you realize that the scenario has reversed and now the auto drivers are being beaten up by the policemen in vigilante fashion. You unsuccessfully try to intervene.

As soon as it ended, you find that it is being given a political and religious color, and media sensationalism. Later, you also come to know that the policeman who was being beaten up was one of the most honest policemen in the department.

After joining you have been assigned this case, and asked to conduct an inquiry. But due to the passion of the public and the politics involved, you are being pressurized to give exemplary punishment to policemen.

However for you, exemplary punishment will result in demoralization of policemen, whereas lighter punishment will create uproar in society.

How should you respond to the situation? What are the dilemmas you face in this case? (250 Words) 20

इस प्रकरण के अंतर्गत मैं जब
एक आई.पी.एस अधिकारी के रूप
मे मामले की जाँच करूंगा तो
मे मेरे समक्ष कई दुविधाऐ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate mus... write on this ma...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने हेतु इन असामाजिक तत्वों के मन में पुलिस भय को बढाने का प्रयास करूंगा। ताकि कोई पुलिस के ऊपर हाथ नही उठाये
- अपने सहकर्मी पुलिस कर्मचारियों को कानूनी मानदंडो के अनुसार कार्रवाई करने के लिये निर्देश दूंगा।

अतः इस प्रकार तत्कालीन परिस्थिति मे मेरी ~~प्रतिक्रिया~~ प्रतिक्रिया विवाद को शीघ्रता से निपटाने की कोशिश रहेगी, ताकि जनता को असुविधाओं का सामना ना करना पडे। और साथ ही अपने पुलिसकर्मियों को कानून का उचित पालन करवाने का निर्देश दूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जाएंगे जिससे समाज के अपराध बढ़ सकता है।

इन दुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मैं निम्न प्रकार अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करूंगा -

⇒ जिन असामाजिक तत्वों द्वारा इस घटनाओं को फैलाया गया उसको पकड़कर गांव के नेताओं एवं विश्वसनीय लोगों को स्थिति के बारे में बताऊंगा।

⇒ ~~मुस्लीन~~ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का समझाकर उन्हें सरकार का साथ देने के लिए मनाऊंगा।

⇒ लोगों के दबाव में इस ईमानदारी पुलिस कर्मचारी पर कार्रवाई सीमित मात्रा में करूंगा तथा उसे इस आधार पर प्रोत्साहित करूंगा कि सत्यनिष्ठा के मार्ग में इस प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation